1 अगस्त से बदल जाएंगे बड़े नियम

गैस से आईटीआर तक आपकी जेब पर होगा असर

क्रेडिट कार्ड, सेबी के नए नियमों का दिखेगा सीधा असर

नई दिल्ली 30 जुलाई, 30 जुलाई की रात के बाद देशभर में आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े कई महत्वपूर्ण नियम बदल जाएंगे. 1 अगस्त से लागू होने वाले इन बदलावों का असर रसोई के बजट, बैंकिंग सेवाओं, रेलवे टिकट बुकिंग, डाक सेवाओं, निवेश और आयकर समेत कई क्षेत्रों पर पड़ेगा.

कुछ फैसले लोगों को राहत देंगे, जबकि कुछ नियमों की अनदेखी करने पर अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ सकता है. हर महीने की तरह 1 अगस्त को तेल विपणन कंपनियां घरेलू और व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर के नए दाम जारी करेंगी. अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर एलपीजी और विमान ईंधन की दरों में बदलाव संभव है. इसका असर घरेलू रसोई के बजट के साथ-साथ होटल-रेस्तरां और हवाई यात्रा के किराए पर भी पड़ सकता है. रेल यात्रियों के लिए भी राहत भरी खबर है. तत्काल टिकट बुकिंग व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से कुछ स्थानों पर टोकन प्रणाली लागू किए जाने की तैयारी है. इससे लंबी कतारों और टिकट बुकिंग के दौरान होने वाली परेशानी कम होने की उम्मीद है. रक्षाबंधन से पहले डाक विभाग ने भी उपभोक्ताओं को राहत दी है. 1 अगस्त से राखी, ग्रीटिंग कार्ड और अन्य दस्तावेज भेजने का शुल्क कम किया जाएगा.

> सरकार ने त्योहारों के दौरान चीनी की उपलब्धता बनाए रखने के लिए व्यापारियों के स्टॉक पर सीमा तय कर दी है. वहीं, निवेशकों के हितों की सुरक्षा के लिए सेबी ने कंपनियों के शेयर बायबैक नियमों में भी बदलाव किया है. दूसरी ओर, आयकरदाताओं के लिए 31 जुलाई के बाद आईटीआर दाखिल करने पर लेट फीस और अन्य दंड लागू हो जाएंगे. ऐसे में विशेषज्ञ समय सीमा के भीतर आवश्यक कार्य पूरे करने की सलाह दे रहे हैं, ताकि अतिरिक्त आर्थिक बोझ से बचा जा सके.

सोना हुआ महंगा, चांदी सस्ती

नई दिल्ली, 30 जुलाई देश के सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में मिलाजुला रुख देखने को मिला. जहां सोने की कीमतों में हल्की तेजी दर्ज की गई, वहीं चांदी के दाम में गिरावट आई. ऐसे में आभूषण खरीदने या निवेश करने की योजना बना रहे लोगों के लिए ताजा भाव जानना जरूरी हो गया है. दिल्ली, जयपुर, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद और वडोदरा समेत कई प्रमुख शहरों में 22 और 24 कैरेट सोने के नए भाव जारी किए गए हैं. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सुबह के कारोबार में सोना 114 रुपये की बढ़त के साथ 1,41,895 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया. वहीं चांदी 1,487 रुपये की गिरावट के साथ 2,15,992 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती रही.

डीजीसीए जांच में स्विच सुरक्षित

नई दिल्ली 30 जुलाई, अहमदाबाद विमान हादसे की जांच के बीच केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि दुर्घटनाग्रस्त एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान के फ्यूल कंट्रोल स्विच में अब तक किसी प्रकार की तकनीकी खराबी नहीं पाई गई है.

सरकार ने राज्यसभा में बताया कि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के निर्देश पर विमान के फ्यूल कंट्रोल स्विच लॉकिंग मैकेनिज्म की विस्तृत जांच कराई गई, जिसमें कोई दोष सामने नहीं आया. हालांकि, पूरे थ्रस्ट कंट्रोल मॉड्यूल की तकनीकी जांच अभी भी जारी है.

नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने राज्यसभा में कांग्रेस सांसद जेबी मैथेर के प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि विमान की एयरवर्दीनेस सुनिश्चित करने के तहत सिएटल स्थित ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर स्तर पर परीक्षण कराया गया. जांच के दौरान फ्यूल कंट्रोल स्विच के लॉकिंग डेटेंट्स सहित सभी महत्वपूर्ण हिस्सों की संरचनात्मक मजबूती का परीक्षण किया गया, लेकिन किसी प्रकार की तकनीकी गड़बड़ी नहीं मिली.

> इस जांच के निष्कर्ष सामने आने के बाद ही हादसे के कारणों को लेकर अंतिम तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी. राज्यसभा में सरकार ने उन दावों को भी खारिज किया, जिनमें कहा जा रहा था कि विमान दुर्घटना की जांच में अनावश्यक देरी हो रही है. सरकार ने स्पष्ट किया कि बड़े विमान हादसों की जांच अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार कई तकनीकी चरणों में होती है और इनके लिए कोई निश्चित समय-सीमा तय नहीं होती. इसलिए जांच पूरी होने में लगने वाला समय स्वाभाविक प्रक्रिया का हिस्सा है.

आज बंद होगा पूजा प्रिसिजन इंजीनियरिंग का आईपीओ

गैर-संस्थागत निवेशकों की सबसे ज्यादा भागीदारी

ग्रे मार्केट प्रीमियम 300 से घटकर 225 रुपये, फिर भी मजबूत संकेत

मुंबई, 30 जुलाई . पूजा प्रिसिजन इंजीनियरिंग लिमिटेड का 159.83 करोड़ रुपये का लघु एवं मध्यम उद्यम प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) गुरुवार को निवेश के लिए बंद हो जाएगा. निर्गम के पहले दो दिनों में निवेशकों ने जबरदस्त रुचि दिखाई है और यह कई गुना भर चुका है.

हालांकि अनौपचारिक बाजार (ग्रे मार्केट) में इसका प्रीमियम शुरुआती स्तर से कुछ कम हुआ है, लेकिन निवेशकों का उत्साह अब भी बरकरार है. निर्गम के पहले दिन 28 जुलाई को यह 8.53 गुना भरा गया था. दूसरे दिन इसकी मांग में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई और कुल अभिदान (सब्सक्रिप्शन) 63.40 गुना तक पहुंच गया. गैर-संस्थागत निवेशकों की श्रेणी में सबसे अधिक उत्साह देखने को मिला, जहां निर्गम 108.82 गुना भरा गया. खुदरा निवेशकों की श्रेणी में 77.44 गुना और योग्य संस्थागत खरीदारों की श्रेणी में 7.30 गुना अभिदान प्राप्त हुआ. अनौपचारिक बाजार में कंपनी का ग्रे मार्केट प्रीमियम 225 रुपये चल रहा है. यह निर्गम खुलने के दिन के 300 रुपये के स्तर से कम है, लेकिन ऊपरी मूल्य बैंड 301 रुपये की तुलना में अब भी लगभग 74.7 प्रतिशत प्रीमियम का संकेत देता है.कंपनी ने निर्गम के लिए प्रति शेयर 285 से 301 रुपये का मूल्य बैंड तय किया है. यह पूरी तरह नए शेयरों का निर्गम है, जिसके तहत 53.10 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं. खुदरा निवेशकों के लिए न्यूनतम निवेश राशि 2,40,800 रुपये निर्धारित की गई है. शेयरों का आवंटन 31 जुलाई को किया जाएगा, जबकि कंपनी के शेयर 4 अगस्त 2026 को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होंगे.

> कंपनी के 600 से अधिक उत्पाद प्रकार हैं और इसके ग्राहक ऑटोमोबाइल, रक्षा, एयरोस्पेस, ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा तथा कृषि सहित कई क्षेत्रों में फैले हैं. कंपनी जर्मनी, अमेरिका, इटली और स्विट्जरलैंड जैसे देशों में भी अपने उत्पादों की आपूर्ति करती है. वित्त वर्ष 2026 में कंपनी की कुल आय बढ़कर 295 .20 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ 30 .90 करोड़ रुपये पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है

सितारे नहीं माता-पिता बने जीवन आदर्श

गुरु पूर्णिमा पर पतंजलि में 111 कुण्डीय महायज्ञ, 1176 विद्यार्थियों का उपनयन-वेदारंभ संस्कार

हरिद्वार, 30 जुलाई: पतंजलि फेज-दो योग भवन में दिव्य और भव्य तरीके से गुरु पूर्णिमा मनाया गया. इस दौरान पतंजलि योगपीठ पूरी तरह से गुरु-शिष्य परंपरा में डूबा रहा. यज्ञ, हवन से पूरा वातावरण बेहद 'भावमय' हो गया था. आवासीय विद्यालय आचार्यकुलम् में आज के पावन पर्व पर वैदिक रीति से 1176 विद्यार्थियों का उपनयन व वेदारंभ संस्कार संपन्न हुआ.

वहीं, पतंजलि फेज-दो के योग भवन में 111 कुण्डीय महायज्ञ का दिव्य आयोजन किया गया. जहां स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण से आशीष लेने के लिए हजारों शिष्य मौजूद रहें. इस अवसर पर स्वामी रामदेव ने कहा कि कुछ मुर्ख गुरु-शिष्य परंपरा को गुरु की गुलामी कहते हैं जबकि खुद वो विलासिता में डूबे हुए हैं. स्वामी रामदेव ने कहा कि नायक और नायिका को अपना आदर्श, रोल मॉडल और आईकन मत मानो, अपने माता-पिता, दादा-दादी, नानी-नानी को रोल मॉडल मानो. वहीं, आचार्य बालकृष्ण ने गुरु-शिष्य परंपरा का अनूठा उदाहरण पेश करते हुए स्वामी रामदेव से चरण छूकर आशीर्वाद लेकर कहा कि गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व सकारात्मकता व पुरुषार्थ का संवाहक है. गुरु के बताये पथ पर चलने वाला कभी गलत रास्तों पर नहीं जा सकता. पतंजलि फेज-दो योग भवन में स्वामी रामदेव ने कहा कि हमारी संस्कृति में गुरु को साक्षात ब्रह्मस्वरूप माना गया है. आचार्यकुलम् सहित पतंजलि के सभी शिक्षा प्रकल्प गुरु-शिष्य परंपरा के पावन अधिष्ठान है. उन्होंने कहा कि कुछ मुर्ख गुरु-शिष्य परंपरा को गुरु की गुलामी कहते हैं जबकि वे खुद नशा, भोग, विलासिता, और अलग-अलग तरह के संसाधनों की गुलामी, कुंठाओं, जड़ताओं और प्रलोभनों में जीते रहते हैं.

> स्वामी जी ने गीत और डॉयलाग पर भी कड़ा प्रहार किया. कहा कि आजकल नालायक नायक हो गये हैं. फिल्मी सितारों के डॉयलाग और गाने गुनगुनाये और गाये जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि नालायकों को कभी अपना नायक नहीं बनाने की जरूरत है. कभी फिल्मी डॉयलाग नहीं बोलना, कभी फिल्मी गीत नहीं गाना. कहा कि जिस दिन हम आपस में वेदों के मंत्र गुनगुनाने लगेंगे उस दिन धरती सज जायेगी. उस दिन मेरे गीतों का त्योहार मनाया जाएगा. उन्होंने कहा कि फिल्मी सितारों का अनुकरण तो कभी करना ही नहीं है. फिल्मी सितारों को कभी भी अपना आदर्श, रोल मॉडल और आईकन नहीं मानना.

नौकरी बदलने वालों के लिए राहत

ईपीएफओ का नया ई-पोर्टल पुराने पीएफ खाते करेगा ट्रैक

नई दिल्ली, 30 जुलाई. बार-बार नौकरी बदलने वाले कर्मचारियों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने बड़ी राहत दी है. संगठन ने एक नया ई-पोर्टल तैयार किया है, जिसकी मदद से कर्मचारी अपने पुराने, बंद या निष्क्रिय भविष्य निधि खातों को आसानी से खोज सकेंगे उनमें जमा राशि को अपने वर्तमान सार्वभौमिक खाता संख्या में ऑनलाइन स्थानांतरित कर सकेंगे.

इससे वर्षों से अलग-अलग खातों में फंसे पीएफ की रकम को एक ही खाते में लाना आसान हो जाएगा.लोकसभा में श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने इस डिजिटल व्यवस्था की जानकारी देते हुए बताया कि नया पोर्टल आधार आधारित प्रमाणीकरण प्रणाली पर काम करेगा. यदि नौकरी बदलने के दौरान किसी कर्मचारी का पुराना पीएफ खाता नए यूएएन से नहीं जुड़ पाया है, तो यह पोर्टल ऐसे निष्क्रिय खातों का पता लगाने और उन्हें मौजूदा खाते से जोड़ने में मदद करेगा. कर्मचारी चाहें तो पुराने खाते की राशि स्थानांतरित करने के साथ-साथ उसी पोर्टल के माध्यम से दावा भी कर सकेंगेईपीएफओ के अनुसार इस नई व्यवस्था का उद्देश्य पूरी प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और डिजिटल बनाना है.

सभी टैक्सपेयर्स के लिए 31 जुलाई आखिरी तारीख नहीं

नई दिल्ली, 30 जुलाई . आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि को लेकर अधिकांश करदाताओं में यह धारणा रहती है कि 31 जुलाई ही सभी के लिए आखिरी दिन है. जबकि वास्तविकता इससे अलग है.

वित्त अधिनियम-2026 के तहत आयकर अधिनियम की धारा 139(1) में किए गए संशोधनों के बाद अब सभी करदाताओं के लिए एक समान अंतिम तिथि लागू नहीं होती. आईटीआर दाखिल करने की समय-सीमा इस बात पर निर्भर करती है कि करदाता किस प्रकार का आईटीआर फॉर्म भर रहा है, उसकी आय का स्रोत क्या है और उस पर कर लेखा-परीक्षण के नियम लागू होते हैं या नहीं. नए नियमों के अनुसार, आईटीआर-1 और आईटीआर-2 दाखिल करने वाले सामान्य करदाताओं के लिए 31 जुलाई अंतिम तिथि है.

भारतीय शेयर बाजार में आया उछाल

273 अंक पर चढ़ा सेंसेक्स

67 अंक पर आगे रहा निफ्टी

मुंबई, 30 जुलाई ऑटो और तेल एवं गैस सेक्टरों में लिवाली से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में प्रमुख सूचकांकों में तेजी देखी गयी और बीएसई का सेंसेक्स 273.55 अंक (0.35 प्रतिशत) चढ़कर 77,928.15 अंक पर बंद हुआ.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 66.95 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,317.15 अंक पर पहुंच गया. यह दोनों सूचकांकों का 17 जुलाई के बाद का उच्चतम स्तर है.

प्रमुख सेक्टरों के विपरीत वृहत बाजार में गिरावट रही. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.33 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.56 प्रतिशत फिसल गया.

ऑटो सेक्टर में सबसे ज्यादा लिवाली देखी गयी. तेल एवं गैस, आईटी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, मीडिया और धातु सेक्टरों में भी तेजी रही. रियल्टी, रसायन, वित्त, बैंकिंग, सीमेंट और एफएमसीजी सेक्टरों पर बिकवाली का दबाव रहा. सेंसेक्स में मारुति सुजुकी और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर करीब पौने दो फीसदी चढ़े. रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक, एचडीएफसी बैंक और पावरग्रिड के शेयर एक से डेढ़ फीसदी तक मजबूत हुए. टेक महिंद्रा, सन फार्मा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी हरे निशान में रहे. अडानी पोर्ट्स का शेयर सवा तीन फीसदी के नुकसान में रहा.

ड्रैगन फ्रूट-स्ट्रॉबेरी से किसानों की बढ़ी कमाई

सोनभद्र, 30 जुलाई धान, गेहूं और मोटे अनाज की खेती के लिए पहचाने जाने वाले सोनभद्र जिले में अब कृषि का स्वरूप तेजी से बदल रहा है.

पारंपरिक खेती के साथ-साथ किसान अब उच्च मूल्य वाली बागवानी फसलों की ओर कदम बढ़ा रहे हैं. ड्रैगन फ्रूट और स्ट्रॉबेरी जैसी नकदी फसलें जिले के किसानों के लिए आय का नया और लाभदायक विकल्प बनकर उभरी हैं. आधुनिक खेती की तकनीकों, सरकारी अनुदान योजनाओं और उद्यान विभाग के मार्गदर्शन ने इस बदलाव को नई दिशा दी है.

समाचार विशेष

निकाय चुनाव पूर्व भाजपा का मिशन 113

भाजपा ने विधानसभा प्रवासियों की फौज मैदान में उतारी

जयपुर. प्रदेश में पंचायत और निकाय चुनाव की तस्वीर साफ होते ही भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है.

चुनावी तैयारियों के तहत पार्टी ने अपने आंतरिक सर्वे के आधार पर उन विधानसभा क्षेत्रों पर विशेष फोकस किया है, जहां संगठन अपेक्षाकृत कमजोर माना गया है. भाजपा के आंतरिक आकलन में प्रदेश की 200 विधानसभा सीटों में से 113 सीटों को संगठनात्मक दृष्टि से कमजोर श्रेणी में रखा गया है. इन्हीं क्षेत्रों में अब विधानसभा प्रवासी कार्यकर्ताओं की तैनाती कर चुनावी माहौल को पार्टी के पक्ष में बनाने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया गया है. खास बात ये मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का गृह जिला भरतपुर पूरा ही डार्क जोन है.

पिछले दिनों भाजपा प्रदेश मुख्यालय में विधानसभा प्रवासी कार्यकर्ताओं की अहम बैठक हुई. बैठक में संगठन को मजबूत करने, बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने, जनसंपर्क अभियान, आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों और चुनावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की जा रही है. प्रशिक्षण के बाद इन कार्यकर्ताओं को संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में भेज दिया गया. पार्टी का मानना है कि पंचायत और निकाय चुनाव केवल स्थानीय निकायों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि आगामी राजनीतिक समीकरणों और विधानसभा चुनाव की नींव भी इन्हीं चुनावों से तैयार होती है. ऐसे में कमजोर क्षेत्रों में संगठन को सक्रिय करना भाजपा की प्राथमिकता बन गया है. पार्टी के आंतरिक सर्वे के अनुसार 200 विधानसभा सीटों में से 113 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां पर पार्टी कमजोर स्थिति का आकलन करके चल रही है. प्रदेश में पंचायत निकाय चुनाव का बिगुल बज चुका है. ऐसे में सत्ता और संगठन की जमीनी स्तर पर नब्ज टटोल कर यह प्रवासी अपनी रिपोर्ट सीधे प्रदेश पार्टी नेतृत्व तक पहुंचने काम करेंगे. प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की संगठनात्मक स्थिति, बूथों की सक्रियता, कार्यकर्ताओं की भागीदारी और चुनावी माहौल का नियमित मूल्यांकन भी इन्ही प्रवासियों की जिम्मे है.

> **सीकर से भरतपुर तक कई जिले डार्क जोन में**
>
> पार्टी के आंतरिक आकलन के मुताबिक प्रदेश की 200 विधानसभा सीटों में से 113 सीटों पर संगठन और राजनीतिक स्थिति को कमजोर माना गया है. पार्टी ने इन सीटों को मजबूत करने के लिए अभी से रणनीति पर काम शुरू कर दिया है. सर्वे में सीकर, झुंझुनू, दौसा, टोंक और मुख्यमंत्री के गृह जिले भरतपुर जिलों को पूरी तरह से डार्क जोन के रूप में चिन्हित किया गया है.

राहुल के साथ आइसा, एनएसयूआई कहां?

नई दिल्ली. यह कमाल की बात है कि शनिवार को धर्मेंद्र प्रधान के शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफे और जंतर मंतर पर 36 दिन से चल रहे धरने के खत्म होने से पहले राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की तो उसमें सीपीआई माले के छात्र संगठन आइसा के तीन सदस्य मंच पर मौजूद थे.

सवाल है कि कांग्रेस का अपना भी तो छात्र संगठन है, जिसका इतना बड़ा कार्यालय रायसीना रोड पर है तो उसके सदस्य राहुल के साथ क्यों नहीं थे? राहुल के साथ होने का यह अर्थ नहीं है कि उस समय वहां क्यों नहीं थे, वहां तो थे लेकिन जिस वजह से आइसा की तीन सदस्यों को मंच पर बैठाया गया था वैसी वजह एनएसयूआई ने नहीं दी थी. आइसा की तीन छात्र नेताओं ने जंतर मंतर पर सोनम वांगचुक के साथ भूख हड़ताल की थी. करीब 21 दिन तक उन्होंने अनशन किया था.

> इसमें दो बातें दिलचस्प हैं. पहली तो यह कि कांग्रेस का छात्र संगठन छात्रों और युवाओं के इस आंदोलन से पूरी तरह नदारद रहा. कहीं भी उन्होंने प्रोटेस्ट नहीं किया, न अनशन किया और न किसी ने भूख हड़ताल की. दूसरी दिलचस्प बात यह है कि जंतर मंतर पर तीनों कम्युनिस्ट पार्टियों सीपीआई, सीपीएम और सीपीआई माले के छात्र संगठन क्रमशः एआईएसएफ, एसएफआई और आइसा के छात्रों ने हिस्सा लिया. लेकिन राहुल के मंच पर आइसा की ओर से भूख हड़ताल करने वाली छात्रों को जगह मिली. क्या इसका कुछ संबंध सीपीआई माले के नेता दीपांकर भट्टाचार्य के साथ राहुल की केमिस्ट्री से भी है?

यूपी चुनाव से पहले ओवैसी का नया सियासी दांव

विपक्षी दलों को गठबंधन का खुला प्रस्ताव, कहा- हाथ मिलाने को तैयार

लखनऊ. उत्तर प्रदेश की राजनीति में चुनाव से पहले हलचल तेज हो गई है. एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मुरादाबाद में एक जनसभा के दौरान समाजवादी पार्टी और बीजेपी दोनों पर निशाना साधा.

साथ ही उन्होंने विपक्षी दलों को गठबंधन का खुला प्रस्ताव भी दिया. सभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि अब मुसलमान सिर्फ वोट बैंक बनकर नहीं रहेंगे. उन्होंने कहा कि राजनीति में बराबरी का सम्मान मिलना चाहिए. उन्होंने कहा, अब दरी बिछाने की राजनीति नहीं होगी. अगर अखिलेश यादव कुर्सी पर बैठेंगे तो ओवैसी भी सामने कुर्सी पर बैठकर बराबरी से हक और इंसाफ की बात करेगा. हमें बराबरी का अधिकार चाहिए. ओवैसी ने लोगों से अपनी राजनीतिक नेतृत्व क्षमता मजबूत करने और एकजुट रहने की भी अपील की. ओवैसी ने अपने भाषण में जौहर यूनिवर्सिटी का मुद्दा भी उठाया. उन्होंने समाजवादी पार्टी से सवाल किया कि अगर यूनिवर्सिटी को नियमित करने का कानूनी रास्ता मौजूद था, तो उनकी सरकार के समय ऐसा कदम क्यों नहीं उठाया गया.

बीजेपी सरकार पर साधा निशाना

ओवैसी ने बीजेपी सरकार पर आरोप लगाया कि मुस्लिम समाज को शिक्षा और विकास से दूर रखने की कोशिश की जा रही है. उन्होंने कहा कि छोटे कारोबारियों और गरीबों को परेशान किया जा रहा है, जबकि बड़े उद्योगपतियों को संरक्षण दिया जा रहा है. उन्होंने मुरादाबाद के स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट, सरकारी मेडिकल कॉलेज और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर भी सरकार के दावों पर सवाल उठाए. अपने भाषण के अंत में ओवैसी ने विपक्षी दलों से साथ आने की अपील की.

विशेष | **बूथ के मतदाताओं से पहचान बढ़ाने का मंत्र**

भाजपा ने यूपी चुनाव की तैयारियों को किया तेज

मेरठ. उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारियों को पार्टियों के स्तर पर तेज किया गया है. इस क्रम में भारतीय जनता पार्टी ने भी अपनी तैयारियों को तेज किया है. भाजपा ने बूथ स्तर पर अपनी तैयारियों को पूरा करने का मंत्र दिया है.

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी कार्यकर्ताओं को अभी से ही चुनाव की तैयारियों में जुटने का संदेश देते दिख रहे हैं. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मेरठ पहुंचे थे. वहां उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों से मुलाकात की. इसके अलावा बूथ सशक्तिकरण और टिफिन बैठक में भी भाग लिया. प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बूथ कमिटियों की सरकार बनाने में अहम भूमिका है. उन्होंने अभी से ही हर बूथ के मतदाताओं से पहचान बढ़ाने का संदेश दिया.

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी कार्यकर्ताओं के बूथ स्तर पर बैठकों का सिलसिला शुरू करने का संदेश दिया. इन बैठकों में 2017 से पहले और बाद की स्थिति पर चर्चा की बात कही. उन्होंने कहा कि हमें इन दोनों स्थिति की चर्चा कर लोगों को उन परिस्थितियों की याद दिलानी होगी. लोगों के साथ लगातार मिलने से ही यह संभव है. प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आज डबल इंजन सरकार के प्रभाव से कानून व्यवस्था काफी मजबूत है. कोई भी असामाजिक तत्व हमारी बहू-बेटियों को छेड़ने की हिम्मत नहीं कर सकता. बैठक के दौरान मेरठ सांसद अरुण गोविल भी प्रदेश अध्यक्ष से चर्चा करते नजर आए.

बूथ पर पार्टी का जोर- बूथ को मजबूत बनाने पर पार्टी ने पूरा जोर दिया है. बूथ कमिटियों को सशक्त बनाकर पार्टी ने प्रदेश में बड़ी सफलता हासिल की है. 2014 के बाद से प्रदेश में पार्टी की बूथ इकाइयां काफी मजबूत रहीं.

> **राम मंदिर की भी चर्चा**
>
> मेरठ दौरे के दौरान प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की भी चर्चा की. उन्होंने कहा कि राम मंदिर की दान पेटी से चोरी मामले में सरकार काफी गंभीर है. इस मामले में कई गिरफ्तारियां हो चुकी है. मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा. वहीं, विधान परिषद चुनावों को लेकर उन्होंने जीत दर्ज करने के लिए प्रयास करने की बात कही.